☆☆☆ साधक अनुभव ☆☆☆

गुरु कृपा से जीवन परिवर्तित हो गया

पूज्य गुरुदेव,

चरण कमलों में शत-शत नमन!

मैं राजेंद्र कुमार प्रजापत आपसे 2009 में हिण्डौन सिटी में जब आपका शिविर लगा था उसमें आप से पहली बार मिला। उस शिविर में आपने मुझे गुरु दीक्षा प्रदान की थी।

उस समय मैं पी.ए.सी.एल का ऐजेन्ट था। इसके पश्चात् मैं 2011 में गुरुजी से मिलने गुरुधाम जोधपुर आया। मैंने गुरुदेव से पी.ए.सी.एल में काम करने की बात कही तो गुरुदेव ने साफ मना कर दिया कि ऐसी कम्पनियां चिटफण्ड आदि की कम्पनियों में काम मत करो। गुरुदेव ने कहा कि आप गांव के अंदर सिलाई का काम शुरू किजिए और मैंने वैसा ही किया उस समय हम पर 8 लाख का कर्ज था लेकिन गुरुकृपा ऐसी बनी की सिलाई कार्य इतना अच्छा चला कि जिसमें 4 कारीगर काम करने लगे थे।

हमारा पूरा पूरिवार नित्य गुरुदेव से प्रार्थना करते कि गुरुदेव **'करौली शहर के अंदर दुकान दिलाओ'** और गुरु कृपा से वैसा ही हुआ मुझे दुकान करोली में मिली। मैंने वहां भी सिलाई का कार्य डाला, जिसमें 18 महीने तक किराया ही वसूल नहीं हुआ। तब मैं पुनः जोधपुर आया और गुरुदेव से कहा की गुरुजी हम दुकान खाली करने वाले है। गुरुजी उस समय कहा की तुम मूर्ख हो, खाली मत करो, दुकान जल्द ही खरीद लेंगे। उसके बाद हमने अंजना जूस सेन्टर के नाम से जूस की दुकान डाली। गुरु कृपा से दुकान इतनी अच्छी चलने लगी और हम चार पांच बंदें काम करने लगे।

गुरु कृपा से प्रतिदिन की सेल 8000 रूपये आने लगी और गुरुकृपा से हमने जो कर्ज लिया था वो सम्पूर्ण कर्ज चुकता किया। हमारे रहने के लिए पहले मकान नहीं था, 2 मंजिला मकान बना लिया और अपनी बहन की शादी बहुत धूमधाम से की और छोटे भाई की भी शादी अच्छे परिवार में की।

इसके बाद हमने गुरुदेव से प्रार्थना की हे गुरुदेव हम एक दुकान की जरूरत और गुरुकृपा से हमें दुकान मिल गई और उसमें हमें किराना का काम प्रारम्भ किया और फिर हम गुरुजी से मिले और गुरुजी ने कहा कि आपका काम बहुत अच्छे से चलेगा। गुरुदेव हमें समय-समय पर शक्तिपात दीक्षा देते रहे आज किराने की दुकान की रोज की सेल 30,000 तक पहुंच गई है।

आपका अति प्रिय आज्ञाकारी सेवक

राजेन्द्र कुमार प्रजापत

ग्राम पाहाडी, पोस्ट- गुडला, जिला-करौली, राजस्थान

आपके चरणो प्रणाम करता है।